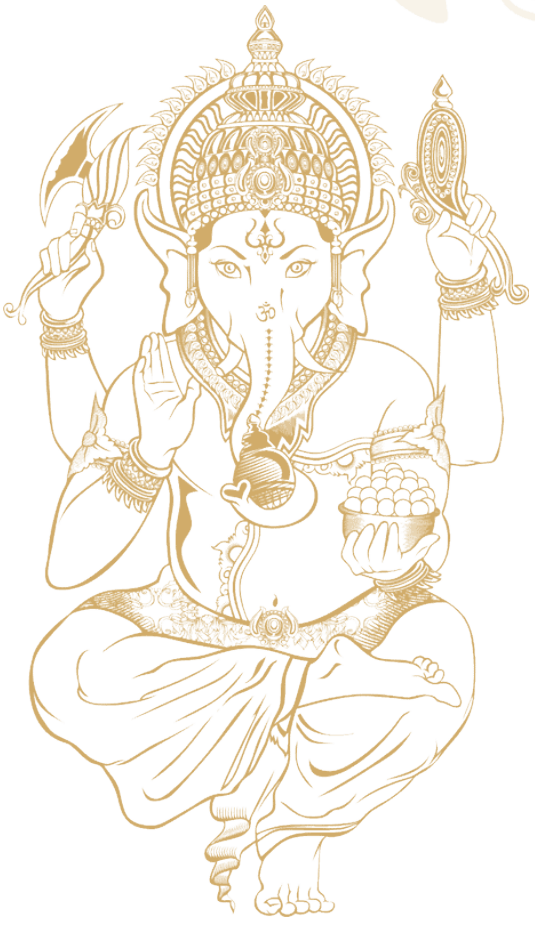

Harsh Jain

Radhe Singla

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121384003

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29-30/01/1991 :	जन्म तिथि	: 26-27/10/1994
मंगल-बुधवार :	दिन	: बुध-गुरुवार
घंटे 00:55:00 :	जन्म समय	: 05:30:00 घंटे
घटी 43:52:34 :	जन्म समय(घटी)	: 57:09:05 घटी
India :	देश	: India
Bhadaur :	स्थान	: Sunam
30:30:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:08:00 उत्तर
75:22:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:32 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:21:58 :	सूर्योदय	: 06:36:13
18:01:30 :	सूर्यास्त	: 17:45:11
23:44:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 10वर्ष 1मा 21दि	15:05:05	तुला	लग्न	कन्या	24:23:17	गुरु 2वर्ष 2मा 21दि
शुक्र	15:39:07	मक	सूर्य	तुला	09:33:03	बुध
22/03/2025	09:32:55	कर्क	चंद्र	कर्क	01:28:41	18/01/2016
22/03/2045	08:30:11	वृष	मंगल	कर्क	18:09:42	17/01/2033
शुक्र 22/07/2028	25:45:10	धनु	बुध व	कन्या	27:59:07	बुध 15/06/2018
सूर्य 22/07/2029	14:44:35	कर्क व	गुरु	तुला	26:39:25	केतु 12/06/2019
चन्द्र 23/03/2031	07:01:31	कुंभ	शुक्र व	तुला	20:30:51	शुक्र 12/04/2022
मंगल 22/05/2032	05:19:57	मक	शनि व	कुंभ	12:02:48	सूर्य 17/02/2023
राहु 23/05/2035	04:19:03	मक व	राहु	तुला	21:04:38	चन्द्र 18/07/2024
गुरु 21/01/2038	04:19:03	कर्क व	केतु	मेष	21:04:38	मंगल 15/07/2025
शनि 22/03/2041	17:40:06	धनु	हर्ष	धनु	28:51:53	राहु 02/02/2028
बुध 21/01/2044	21:27:02	धनु	नेप	धनु	26:57:02	गुरु 10/05/2030
केतु 22/03/2045	26:28:43	तुला	प्लूटो	वृश्चि	03:13:28	शनि 17/01/2033

लग्न-चलित

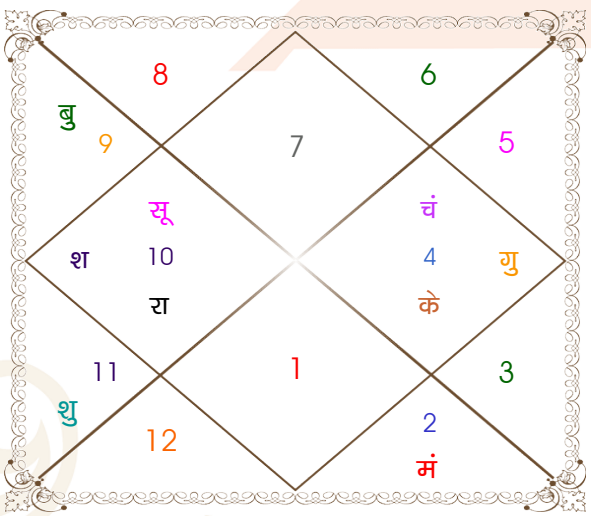

लग्न-चलित

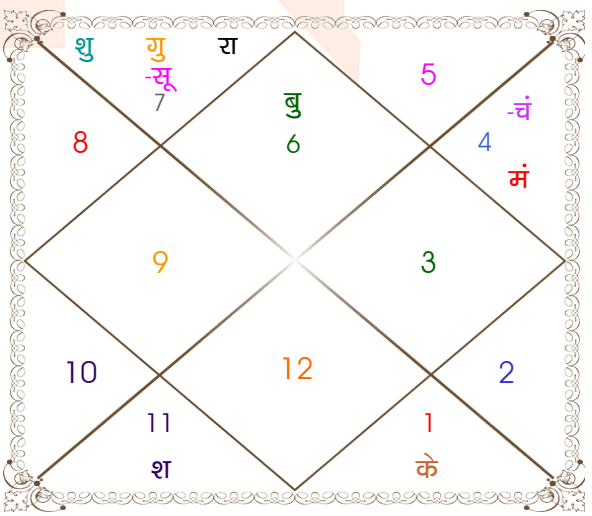

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	35.00		

भंती श्रंपद का वर्ग मेष है तथा Radhe Singla का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भंती श्रंपद और Radhe Singla का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

भंती श्रंपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Radhe Singla मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Radhe Singla कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भंती श्रंपद तथा Radhe Singla में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।